KAVAN

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व, आकृति एवं प्रकृति

1

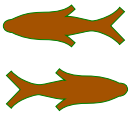

जल तत्व

आप मीन लग्न में जन्मे हुए है। अतः आप शारीरिक रूप से सामान्यतया स्वस्थ रहेंगा। आप सरल प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा मुख पर सर्वदा सौम्यता एवं सरलता का भाव विद्यमान रहेंगा। आप सांसारिक भोग्य वस्तुओं का आनंद पूर्वक उपभोग करेंगे तथा भौतिक सुख संसाधनों से भी सुसम्पन्न रहेंगे। आपके व्यक्तित्व के प्रमुख विशेषता यह रहेंगी की आप कभी भी अपने स्वार्थ के लिए दूसरों पर अन्याय नहीं करेंगे तथा अपने अधिकारों का कभी दुरूपयोग नहीं करेंगे। साथ ही एक विदुषी व्यक्ति होकर नवीन सिद्धांतों या विचारों को प्रतिपादित करने में समर्थ रहेंगे तथा इनसे आपको सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होंगी। आपके विचारों का अन्य जनों पर शीघ्र ही प्रभाव होंगा तथा वे आपसे प्रभावित रहेंगे फलतः समाज में आदर एवं ख्याति अर्जित करने में सफल रहेंगे। साहित्य एवं संगीत के प्रति भी आपका आकर्षण रहेगा तथा इस क्षेत्र में परिश्रम पूर्वक सफलता अर्जित कर सकते है। इसके साथ ही आप क्रोधित भी शीघ्र नहीं होंगे परंतु यदि एक बार क्रोध आ जाए तो शांत भी शीघ्र नहीं होंगे। धनार्जन के लिए आप कई प्रकार के कर्यों को सम्पन्न करेंगे उनमें आपको इच्छित लाभ की प्राप्ति होंगी तथा धनऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त रहेंगे। साथ ही आप अत्यंत ही चिंतन एवं मननशील व्यक्ति होंगे तथा अपना अधिकाशं समय इसी पर व्यतीत करेंगे।

प्राकृतिक दृश्यों के प्रति आपके मन में अत्यंत ही आकर्षण रहेंगा तथा इन्हें देखकर आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होंगी। साथ ही दीन दुःखियों के प्रति भी आपके मन में करूणा तथा सहानुभूति की भावना रहेंगी। इस प्रकार आप प्रकृति एवं दीनजनों के प्रिय रहेंगे। आपका प्रेम भी सरस एवं भावुकता से युक्त रहेंगा। तथा इस क्षेत्र में यदा कदा भावुकता का प्रदर्शन भी करेंगे। आप एक व्यवहारकुशल व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। भोजन में आप अल्पाहार ही करना पसंद करेंगे साथ ही मन में भी यदा कदा चंचलता का भाव उत्पन्न होंगा। आपकी तर्क शक्ति अत्यंत ही प्रबल होंगी तथा सभी लोग आपके तर्कों से सहमत रहेंगे। ब्रह्म या सृष्टि आदि के विषय में भी आपके मन में समय समय पर जिज्ञासा उत्पन्न होंगी तथा ज्ञान भी अर्जित कर सकते है। लेकिन भौतिकता के प्रति भी आपका मधुर संबंध रहेंगा तथा उनको अपनी ओर पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इसके साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में नवीन वस्तुओं का उत्पादन करने में समर्थ रहेंगे। इस प्रकार आप एक स्वप्नदृष्टा, प्रेमी, कवि, विचारक तथा मननशील रहेंगे तथा आनंद पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

2

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप भावनात्मक रूप से परिवार से जुड़े रहेंगे तथा उनके प्रति पूर्ण चिंतित रहेंगे। घर की सुंदरता एवं आकर्षक के प्रति आपको रूचि रहेंगी तथा यत्न पूर्वक इसके लिए रूचिशील रहेंगे। साथ ही उनकी खुशहाली एवं प्रसन्नता के लिए यत्न पूर्वक सुख साधनों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे परंतु अपनी कोई व्यक्तिगत इच्छा को पारिवारिक सुख से श्रेष्ठ समझेंगे तथा अवसरानुकूल पहले अपनी ही इच्छा पूर्ण करेंगे। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक रहेंगा तथा मित्र वर्ग भी गुणवान एवं शिक्षित रहेंगा।

आप विभिन्न प्रकार के स्वादों का आस्वाद करने के इच्छुक रहेंगे परंतु नमकीन एवं मिष्ठान्न विशेष प्रिय रहेंगे तथा सामान्यतया स्वादिष्ट भोजन करना ही पसंद करेंगे। आप समय समय पर धार्मिक कार्य कलपों या उत्सवों आदि का आयोजन करेंगे। धन के प्रति आपके मन में पूर्ण लालसा रहेंगी तथा परिश्रम एवं यत्नपूर्वक धनार्जन में तत्पर रहेंगे। साथ ही बहुमूल्य रत्न एवं आभूषणों से भी युक्त रहेंगे। आपकी वाणी में सामान्यतया ओजस्विता का भाव रहेंगा लेकिन मधुरता में न्यूनता रहेंगी। साथ ही आमंत्रित उत्सवों में भी अवश्य शामिल होंगे इसके अतिरिक्त नीति के आप ज्ञाता होंगे तथा घर वाहन तथा पुत्रों से युक्त होकर अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लधुयात्राएं

3

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृषभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप सतर्क सक्रिय तथा बौद्विक प्रवृति के व्यक्ति होंगे। आप महत्वाकांक्षी होंगे। तथा आप पूर्ण विश्वास पात्र तथा आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही स्मरण शक्ति भी उत्तम रहेंगी तथा किसी भी विषय या वस्तु को आसानी से सीखने या याद रखने में समर्थ रहेंगे। भाई बहनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होंगा तथा वे भी पूर्ण साहसी पराक्रमी तथा बुद्धिमान रहेंगे तथा आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। पारिवारिक शांति तथा परस्पर सौहार्दता के भाव को रखने के लिए आप एक दूसरे की कमियो तथा गलतियों की उपेक्षा करेंगे जिससे आपस में मतभेद समाप्त होंगे।

आप नेतृत्व के गुणों से सम्पन्न रहेंगे तथा अन्य सभी लोग आपके संगठन शक्ति से प्रभावित रहेंगे तथा आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आप स्वच्छन्द प्रवृति के व्यक्ति होंगे साथ ही दार्शनिक स्वभाव ईमानदारी तथा स्पष्टवादित का गुण आप में विद्यमान रहेंगा। जीवन में दूर समीप की यात्राओं आदि से भी आपको लाभ एवं ख्याति प्राप्त होंगी तथा यात्रा के मध्य मित्र भी बनेगे। अतः इसके प्रभाव से उन्नति के मार्ग पर सदैव अग्रसर रहेंगे। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, टेलीव्हिजन वाहन तथा अन्य उपकरणों से आप युक्त रहेंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संगीत साहित्य एवं कला के प्रति भी आपकी रूचि रहेंगी तथा अवसरानुकूल इस पर अपना समय व्यतीत करेंगे। ज्ञानवर्धक पुस्तकों के अध्ययन में भी आप रूचिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप उच्चाधिकार वर्ग के मित्र, आतिथ्य सत्कार करने वाले, दानी, यशस्वी तथा सद्विचरों से हमेशा युक्त रहेंगे।

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

4

वायु तत्व

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी माताजी एक बुद्धिमत्ता व्यक्ति होंगी तथा अपने परिवार के पालन पोषण में तत्पर रहेंगी लेकिन सहनशक्ति के भाव की उनमें न्यूनता रहेंगी परंतु शीघ्र ही शांत भी हो जाएंगी। साथ ही आनंद पूर्वक जीवन को व्यतीत करने के लिए वे हमेशा यत्नशील रहेंगी। अपने घर को सुंदर एवं आकर्षक बनाने के लिए वे सर्वदा रूचिशील रहेंगी।

लेकिन उनको कोई भी आसानी से प्रभावित नहीं कर सकेंगा। आपके पास उत्तम आवास स्थल होगा तथा घर को आप साफ एवं सुसज्जित करके आकर्षक रखेंगे। साथ ही भौतिक सुखसाघनों तथा उपकरणों से भी युक्त होकर आनंद पूर्वक सभी सुविधाओं का उपभोग करेंगे।

आप उत्तम वाहन से युक्त होकर सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। ज्योतिष तथा तंत्र मंत्र के प्रति आपकी आस्था रहेंगी तथा अवसरानुकूल इनका ज्ञान भी अर्जित करेंगे। साथ ही गुप्त या विशेष धन की प्राप्ति की भी संभावना रहेंगी। पैतृक सम्पत्ति भी आप अर्जित करेंगे तथा जमीन जायदाद संबंधी लाभ भी होंगा। आप एक प्रतिभाशाली व्यक्ति होंगे तथा उच्च शिक्षा अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। एक शिक्षित व्यक्ति के साथ साथ व्यावाहारिक भी होंगे। धाराप्रवाह भाषण करने में भी आनंदित होने वाले होंगे तथा सुगंधित एवं द्रव्यो पदार्थो का उपभोग करके सुख एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।

जिस जातक के जन्म समय पर चंद्रमा चौथे भाव में होता है, उसे बाल अवस्था में उत्तम सुख प्राप्त नहीं होता है। यह बांधवों से सुख प्राप्त करता है। यह मनुष्य बलवान प्रतापी तथा राजा का कोष सम्हालने वाला होता है। इसे बाल्यावस्था के बाद यौवन काल में जीवन साथी का सुख, पुत्र सुख तथा अलंकार का पूरा-पूरा सुख मिलता है। यह जातक जीवन साथी का प्रिय और धन से परिपूर्ण होता है, तथा उत्तम सवारियों से युक्त सुंदर भवन में निवास करने वाला होता है।

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

5

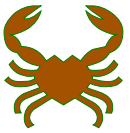

जल तत्व

आपके जन्म समय में पंचम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। इसके प्रभाव से आप बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा जीवन में आनंदायक परिवर्तन करने के लिए सर्वदा यत्नशील रहेंगे। आप अपने सुखी पारिवारिक जीवन से प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे तथा विवाह के बाद पूर्ण रूप से व्यवस्थित हो जाएंगे तथा आपकी मानसिक इच्छा भी यही रहेगी। आपकी कल्पनाशक्ति प्रबल रहेंगी तथा अन्यत्र भी उत्साह पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आपके विचार में जीवन बिना प्यार या रोमांस के नीरस है। साथ ही जीवन साथी एवं परिवार को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे।

संतति से आप युक्त रहेंगे तथा उनका पालन पोषण आदि का उचित प्रबंध करेंगे। आप अपनी ओर से यथाशक्ति उनको पूर्ण भौतिक सुख सुविधाएँ प्रदान करेंगे चाहे इसमें आपको अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं की ही उपेक्षा क्यों न करनी पड़े। साथ ही वैदिक ज्ञान एवं ज्योतिष के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेंगी। आपकी संतति भी आज्ञाकारी कर्तव्य परायण तथा विश्वास पात्र रहेगे तथा वे बुद्धिमान एवं बलवान भी होंगे। इसके साथ ही आधुनिक विचार धारा के साथ साथ आप पुराने रीति रिवाजों का भी पालन करेंगे तथा अवसरानुकूल उनको स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आप परिवार को संतुष्ट करने वाले, मंदिर या धर्मशाला आदि के निर्माण से ख्याति अर्जित करेंगे। आप एक उदार, धनवान विद्या से युक्त होकर सम्पन्न तथा वैभवशाली जीवन व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

जिस जातक के जन्म समय में गुरु पाचवें भाव में होता है, वह बुद्धिमान होता है, यह विलासी और आनंदमय जीवन व्यतीत करने वाला होता है। यह जातक बहुत उत्तम वक्ता, कुशल व्याख्यान दाता होता है। यह कुशल तार्किक, ऊहापोह, तर्क वितर्क करने वाला होता है। यह उच्चकोटि का ग्रंथकार हो सकता है। धन से यह उतना समृद्ध नहीं होता, जितना यह दिखाई देता है। यह योगादि अभ्यास में बहुत समय देता है, यह मित्रों से पूज्य, अनेक शास्त्रों का ज्ञाता तथा धनाढ्य होता है। यह धार्मिक, पंड़ित, सुखी, शुद्ध चित्त, दयालु और विनम्र होता है। यह जातक सुंदर वस्त्राभूषण धारण करता है, चतुर होता है, महान कार्य करने वाला होता है, समझदार तथा इसकी भाषण शक्ति बहुत अच्छी होती है। यह अन्न का दान करने वाला, अपने कुल का प्रेमी तथा मंत्र विद्या का जानकार होता है।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

6

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने संबंधियों से समय समय पर विरोध का सामना करेंगे साथ ही इनसे आपको अनुकूल सहयोग भी नहीं मिलेगा। लेकिन आप अपनी बुद्धिमत्ता, चतुराई शक्ति तथा गुप्त सूत्रों से उनका सामना करने तथा उन्हें प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आपके उत्कृष्ट कार्यकलापों से उनके मन में ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होंगी। साथ ही उच्च या वरिष्ठ अधिकारियों के विरोध के कारण भी कार्य क्षेत्र में आपको किसी प्रकार की परेशानी हो सकती है। आपके शत्रु अधिकार प्राप्त व्यक्ति होंगे तथा समाज या सरकार के विभिन्न क्षेत्रो से रहेंगे तथा वे हमेंशा आपके मान सम्मान में न्यूनता करने के लिए कुछ न कुछ अवश्य करते रहेंगे। नौकरों चाकरों से आप युक्त रहेंगे तथा उनके बिना दैनिक कार्य पूर्ण नहीं होंगे। वे भी अच्छे होंगे तथा आपकी इच्छा से ही समस्त कार्य करेंगे लेकिन यदा कदा वे आपकी गुप्त बातों को अन्य जनों के समक्ष कह देंगे जिससे आपके सामाजिक सम्मान में न्यूनता हो सकती है। तथा चोरी आदि भी कर सकते है। अतः कीमती वस्तुओं को सेवको से दूर रखनी चाहिए।

आप अपने उच्च स्तर को बनाने के लिए व्ययशील रहेंगे तथा यदा कदा यह व्यय आय से अधिक हो जाएगा अतः ऐसी परिस्थिति में आपको ऋण आदि के भाव से दबना पड़ सकता है। जिससे आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंचेगी। अतः ऐसी स्थितियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। मामा मामी से आपको समय समय पर यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही वे पूर्ण रूप से आपकी सहायता करते रहेंगे परंतु यदा कदा वे स्वार्थवश आपकी विशेष मदद कर सकते है। मुकद्दमों आदि में भी आप सामान्यतया धन एवं समय को अधिक मात्रा में बर्बाद करेंगे लेकिन यदि नियमानुसार इन कार्यो को सम्पन्न करेंगे तो मुकद्दमे आदि में आपको लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकती है। साथ उत्तम स्वास्थ्य के लिए उचित खान पान का ध्यान रखें तथा गर्म पदार्थो की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें।

यदि जन्म समय में किसी जातक के शनि छठे भाव में हों तो वह जातक शत्रु से, राजा से या चोर से भयभीत नहीं होता है। यह जातक महाबली होता है। इससे इसके शत्रु भयभीत रहते है। यह जातक सदैव अच्छे कर्म करने की प्रेरणा रखता है। यह छल कपट से न तो धन प्राप्त करता है, ना ही किसी को सता पाता है। यह न्याय वृति से जीवन निर्वाह करता है। यह शत्रुओं को संताप देने वाला होता है, तथा इसे पराजित करना खेल नहीं होता है। इसके प्रताप से इसके शत्रु जलते है। यह साहित्यानुरागी और काव्यकर्ता भी होता है। यह भोगों, भूषणों तथा वाहनों से संयुक्त, सुशिक्षित, धनी और सुखी होता है।

जिस जातक के जन्म समय में राहु छठवें भाव में होता है। वह शूर सुंदर मतिमान राजा जैसा मान्य और विद्वान होता है। इस जातक से शत्रु पराजित होते है। यह जातक विलासी होता है। इसे धन की प्राप्ति होती है। यह म्लेच्छों की संगति करता है तथा यह महान बली हो सकता है। यह जातक धैर्यवान व अतिसुखी होता है।

दम्पति, विवाह एवं साझेदर

7

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपके जीवन साथी सुंदर, बुद्धिमान, शिक्षित तथा आकर्षक व्यक्तित्व के व्यक्ति होंगे तथा आपको जीवन में पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। जीवन में आपको अपने जीवन साथी, व्यापार में साझेदार या मित्रों पर अनावश्यक संदेह नहीं करना चाहिए तथा ऐसे अवसरों की उपेक्षा की जानी चाहिए जिससे कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। आपकी प्रवृति स्वच्छन्द रहेगी तथा आनंद पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे। द्विस्वभाव राशि के प्रभाव से आप जीवन में परिवर्तन की विशेष इच्छुक रहेंगे इसी परिपेक्ष्य में आपकी यात्राएँ या भ्रमण अधिक मात्रा में हो सकते है। पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि के लिए ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक कार्य करेंगे अपने घर को आधुनिक साज सज्जा से युक्त रखेंगे। कन्या तथा कर्क लग्न में उत्पन्न जातक आपके लिए व्यापार में साझेदार मित्रता तथा विवाह संबंध के लिए उपयुक्त रहेंगे।

व्यापारिक कार्यों में आप दोनों की विशेष रूचि रहेंगी तथा धन एवं वैभव से सुसम्पन्न रहेंगे एवं वृद्धावस्था के लिए भी धन संग्रह करेंगे। तथा इनमें आपको यथोचित्त मान सम्मान लाभ तथा ख्याति प्राप्त होंगी। आप या आपके जीवन साथी के लिए नौकरी के लिए लेखा विभाग, बैंक, शिक्षा विभाग या सिनेमा संबंधी विभागों या कार्यो में हो सकते है। इसके अतिरिक्त आपके जीवन साथी का स्वरूप सुंदर, सौभाग्यवान सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में दक्ष, सत्यभाषी, दृढ़ प्रतिज्ञ तथा आपको हमेशा प्रसन्न रखने वाले होंगे।

दहेज, बीमा, आयु एवं दुर्घटना

8

वायु तत्व

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आप आध्यात्म ज्योतिष या तंत्र मंत्र पर श्रद्धा रखेंगे। आध्यात्म या ज्योतिष शास्त्र संबंधी विषयों पर आप अवसरानुकूल शाध कार्य भी सम्पन्न कर सकते है जिससे लाभार्जन के साथ साथ आपको ख्याति भी प्राप्त हो सकती है। साथ ही परिश्रम पूर्वक इनका न्यूनाधिक ज्ञान अर्जित करने में भी समर्थ होंगे। आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेंगी अतः आपके पूर्वाभास या भविष्य वाणियां प्रायः सत्य ही सिद्ध होंगी। इसी परिपेक्ष्य में कई आध्यात्मवादयों से आपकी मित्रता भी होंगी जिनसे अनुकूल सहयोग प्राप्त होंगा।

जीवन में पैतृक सम्पत्ति अर्जित करने में भी आपको सफलता प्राप्त होंगी तथा इससे प्रचुर मात्रा में लाभ होगा। आपका ससुराल पक्ष भी एक सम्पन्न परिवार रहेगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से वे युक्त रहेंगे। फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही जायदाद संबंधी कार्यो से काफी लाभ होंगा एवं आपके कार्य से अन्य लोग प्रभावित रहेंगे फलतः आपको कई बार इच्छित कीमत की प्राप्ति होंगी जिससे आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता रहेंगी। बीमा आदि से भी समय समय पर आपको लाभ होता रहेगा अतः न्यूनाधिक रूप से आपको बीमा अवश्य करवाने चाहिए चाहे वह स्वयं का हो या अपनी किसी वस्तु का चोरी या दुर्घटना के अवसरों की आपकी कुंडली में न्यूनता है तथापि यदि कोई घटना होती भी है तो उससे कोई हानि या परेशानी नहीं होंगी। इसके अतिरिक्त आपकी आयु अच्छी रहेंगी एवं प्रसन्नता पूर्वक आप सुखी जीवन को व्यतीत करेंगे।

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

9

जल तत्व

आपके जन्म समय में नवम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से प्रारंभ में धर्म के प्रति आपके मन में कोई विशेष श्रद्धा नहीं रहेंगी लेकिन आयु के साथ साथ आप मंदिर या अन्यत्र तीर्थ स्थानों में जाकर धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही आध्यात्म या ज्योतिष आदि के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा इसका न्यूनाधिक ज्ञान भी अर्जित करेंगे। साथ ही दैनिक पूजा पाठ करने के लिए भी प्रवृत्त होंगे। आपके भाग्य की प्रबलता हमेंशा बनी रहेंगी तथा लंबी दूरी की यात्राओं को करने के लिए हमेशा रूचिशील रहेंगे। आप अपने निवास स्थान में पूजास्थल का निर्माण भी कर सकते है। जीवन में अन्य जनों की भलाई के कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे तथा भगवान के प्रति पूर्ण श्रद्धा रखेंगे।

युवावस्था में आप योगादि क्रियाओं में रूचिशील होंगे तथा आध्यात्म संबंधी पवित्र ग्रथों का श्रद्धा पूर्वक अध्ययन करके उनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। प्रारंभिक अवस्था में आपको लम्बी दूरी की यात्राएँ करनी पड़ेंगी। आपके अन्तर्प्रज्ञा शक्ति प्रबल रहेगी अतः पूर्वाभास या भविष्य संबंधी जानकारियां आपको हो सकती है। साथ ही जीवन में निश्चित रूप से कोई कार्य धर्म या पुण्य संबंधी शुभ कार्य को करने में सफल रहेगे तथा दान आदि कार्य भी समय समय पर करते रहेंगे। यह शिक्षा व्यवसाय या धर्म से संबंधित यात्राएँ होंगी तथा इनसे आपको इच्छित लाभ सम्मान एवं ख्याति मिलेगी तथा समाज में सत्कर्मो के द्वारा पहचान बनी रहेगी। वृद्धावस्था में पौत्र आदि से आपको आनंद एवं सुख प्राप्त होगा तथा अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के प्रभाव से आप इस जीवन में समस्त सुख ऐश्वर्य एवं वैभव का उपभोग करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

पिता, व्यवसाय, एवं सामाजिक स्तर

10

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में दशम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपके पिताजी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से वे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। वे स्वभाव से उदार तथा दयालु होंगे तथा समाजिक जनों के परोपकार के लिए कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। वे साहसी तथा निर्भीक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा सक्रियता का भाव सर्वदा उनमें विद्यमान रहेंगा तथा अपने समस्त कार्यो को अत्यंत ही सोच समझकर सम्पन्न करेंगे। अतः समाज में उनको इच्छित ख्याति एवं सम्मान प्राप्त होंगा।

आपको लेखा संबंधी कार्य या बैंक कर्मचारी के रूप में इच्छित सफलता प्राप्त होंगी। साथ ही संगीत या हस्त कला आदि से भी धनार्जन करेंगे। आप एक परिश्रमी व्यक्ति होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता के बल पर उच्च पद को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे साथ ही सरकारी क्षेत्र में आप किसी प्रशंसनीय पद को भी प्राप्त कर सकते है। आप वाणिज्य, प्रबंध निदेशालय आदि में किसी सम्माननीय पद को अर्जित करने में समर्थ होंगे। इसके साथ ही द्रव्य, रसायन औषधि तथा शिक्षा विभाग में भी कार्यरत हो सकते है तथा इन क्षेत्रों में आपको इच्छित लाभ एवं उन्नति प्राप्त होंगी। आपको जीवन में मुकद्दमें बाजी की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होंगी इसके अतिरिक्त आप दक्षता पूर्वक कार्यो को करने वाले पूर्ण लाभ के प्रति इच्छा वाले, परोपकारी राजसी वैभव से युक्त जमीन जायदाद की स्वामी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

जिस जातक के दसवें भाव में जन्म समय में शुक्र होता है। वह वंश वृद्धि करने वाले वीर्य को अवरुद्ध करता रहता है, इस जातक के कार्य इसके ही भ्रम के कारण बिगड़ जाते है। यह जातक ब्राह्मणवृति से अर्थात भिक्षा दानादि पाकर अपने को समृद्ध बनाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहता है। यह जातक बहुत प्रतापी होता है, यह अपने संकल्पो को पूरा करने की शक्ति रखने वाला होता है। यह शुभकर्मो को करने वाला तथा अच्छे अच्छे वाहनो से युत होता है। अच्छे कर्म करने से अपने यश को चरों ओर फैलाने में सफल होता है।

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। इसके प्रभाव से आप किसी भी कार्य को सोच समझकर व्यापारिक दृष्टि से सम्पन्न करेंगे। जीवन में धन ऐश्वर्य एवं ख्याति अर्जित करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा जीवन में उन्नति तथा धनार्जन संबंधी कोई भी अवसर नहीं छोड़ेगे। आपकी मासिक शक्ति भी प्रबल रहेंगी तथा प्रबंध एवं संगठन क्षमता भी विद्यमान रहेंगी। आप एक पराक्रमी परिश्रमी तथा योग्य व्यक्ति होंगे। अतः अपनी अधिकांश इच्छाओं तथा आकांक्षाओं को पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही दूरदर्शी तथा महत्वाकांक्षी व्यक्ति भी होंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा आय में नित्य वृद्धि होंगी। लेकिन आर्थिक क्षेत्र में आप किसी भी प्रकार का खतरा नहीं उठाएंगे। लकडी लोहे या खनिज पदार्थो संबंधी व्यापार या विभागों से आप धन लाभ अर्जित करेंगे यदि स्वयं कार्यरत नहीं है तो उपरोक्त योग आपके जीवन साथी पर घटित होंगे।

आपको बड़े भाइयों की अपेक्षा बहनों से विशिष्ट लाभ सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होंगी। आपका सामाजिक स्तर अच्छा रहेंगा तथा सामाजिक जनों की सेवा तथा सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे जिससे अपने क्षेत्र में ख्याति प्राप्त एक आदरणीया व्यक्ति होंगे। साथ ही समय समय पर वे आपको निर्देश भी देते रहेंगे। आप स्थाई मित्रता करने के इच्छुक रहेंगे। फलतः आपकी मित्रता का क्षेत्र विस्तृत नहीं होंगा। साथ ही मित्रों के मध्य प्रतिष्ठित एवं आदरणीय रहेंगे। जीवन में परिश्रम पूर्वक आप किंचित मान सम्मान भी अर्जित कर सकते है। लेकिन बाएं कान संबंधी परेशानी यदा कदा होंगी परंतु सामान्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

जिस जातक के जन्म समय में सूर्य एकादश भाव में होता है उसे राज्य की धनप्राप्ति होती है। राज्य में इसकी अधिकारी होने की मान्यता होती है। इसके प्रताप से शत्रु भी घबराते है। इसे संतान से विशेष सुख नहीं मिल पाता। मनुष्य गणितशास्त्र का ज्ञाता होता है। धनाढ्य या शुभकर्म करने वाला जनता में नेता तथा लोगों में श्रेष्ठ व्यक्ति होता है। इस जातक का विद्या से प्रेम होता है। इसकी रूची शुभकार्य में होती है। यह किर्तीमान और धनसे परिपूर्ण होता है। इसे राज्य में नित्य ही धन की प्राप्ति होती है।

जिस जातक के जन्म समय में मंगल ग्यारहवें भाव में होता है उस व्यक्ति संतान की ओर विशेष लाभ होता है। शत्रुओं को भी पीड़ा देता है। यह व्यक्ति धनी होता है। पशुधन के व्यापार से बहुत मालामाल होता है। यह जातक संग्राम में शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाला होता है। यह जातक ताँबा, मूँगा, सुंदर लाल वस्त्र, हर्ष वाहन मान सबमे युक्त होता है। यह जातक जरी, रेशमी, मखमली, जर्कसी वस्त्रों से सम्मानित अनेक प्रकार के वाहन रखने वाला, शत्रुओं से रहित, कामुक होता है। यह जातक देव भक्त होता है, चंचल और क्रोधी भी होता है। पुण्य कर्मो में चित्त को लगाने वाला तथा विपुल धन को प्राप्त करता है।

जिस जातक के जन्म समय में बुध ग्यारहवें भाव में होता है, वह अत्यंत द्रव्य लाभ करता है। यह जातक मित्रों को प्रिय,

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11

पृथ्वी तत्व

अतिगुणी, बुद्धिमान होता है। इसे भूख कम होती है। यह विद्वान, धनी, सुशील, भोगी, नित्य लाभ करने वाला होता है। यह जातक निरोगी, सदा सुखी लोगों से सद्व्यवहार करने वाला और किर्तिवान होता है। यह व्यक्ति दीर्घायु, धनाढ्य सुखी, सत्याचार करने वाला होकर नौकर चाकरों से सुख पाता है। यह जातक वेदशास्त्र में श्रद्धालु, अपने कुल का पूरी तरह से हितैषी धनाढ्य, जातक बल्लभ, सुंदर श्यामवर्ण और मोहक नेत्रो वाला होता है। यह कल्याणमय जीवन व्यतीत करता है। इसको बुध की स्थिति विशेष होने से अच्छे या विपरीत मार्गो से धन प्राप्त होता है।

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

12

वायु तत्व

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जीसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपकी व्यापारिक क्षमता अच्छी रहेंगी तथा धन एवं पराक्रम से हमेशा युक्त रहेंगे। उन्य जनों के प्रति भी आपके मन में सहानुभूति का भाव रहेंगा तथा यत्न पूर्वक उनकी आर्थिक तथा अन्य रूप से सहायता करते रहेंगे। आप दूरदर्शी व्यक्ति होंगे तथा वृद्धावस्था में किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे तथा पहले से ही इसके लिए उचित प्रबंध करेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन आपके पास रहेंगा।

आपको मध्यमवस्था में पूर्ण धन मान एवं सम्मान की प्राप्ति होंगी। साथ ही धन का आप हमेशा बुद्धिमत्ता तथा सावधानी से उपभोग करेंगे इस प्रकार आर्थिक स्थिति प्रायः अच्छी रहेंगी। साथ ही घर की साज सज्जा तथा सुंदरता पर भी निरंतर व्ययशील रहेंगे परंतु उपरोक्त व्यय आप तभी करेंगे जब धनार्जन उत्तम रहेंगा तथा सीमित रूप से ही धन का ऐसे मामलों में उपयोग करेंगे। परिवार के लिए आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा उनकी सुख सुविधा, खान पान एवं रहन सहन का स्तर उच्च रखेने के लिए प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे। सांसारिक सुख संसाधनों तथा भौतिक उपकरणों के प्रति भी आपके मन में लालसा रहेंगी तथा इन पर भी समय समय पर प्रचुर मात्रा में व्यय करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त दान या धार्मिक कार्यों पर भी आपका समय समय पर व्यय होता रहेंगा।

यात्राओं के प्रति भी आपको रूचि रहेंगी तथा समय समय पर व्यवसाय या भ्रमण संबंधी यात्राएँ होती रहेंगी। इसके अतिरिक्त इन्हीं संदर्भो में आप विदेश संबंधी यात्राएँ भी सम्पन्न कर सकते है तथा कुछ समय तक वहां निवास भी हो सकता है। इनसे आपको भविष्य में सम्मान एवं लाभ की प्राप्ति होंगी।